समुद्र में संकट व आपात स्थिति में सहायता के लिए भारतीय तटरक्षक के टोल फ्री हेल्प लाइन नम्बर 1554 पर सम्पर्क करें।

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 233 | पोर्ट ब्लेयर, | सोमवार, 07 सितम्बर 2020 | web: https://dt.andaman.gov.in | 2.00 रूपए

वर्ष 2019 के लिए व्यापार सुधार कार्य योजना के क्रियान्वयन के आधार पर राज्यों की रैंकिंग की घोषणा

अंडमान निकोबार 9 स्थान की छलांग लगाकर 22वें स्थान पर पहुँचा

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितंबर।

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 5 सितंबर, 2020 को राज्यों के व्यापार सुधार कार्य योजना (बीआरएपी) रैंकिंग के 4 वें संस्करण की घोषणा की। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह ने अपनी पिछली बीआरए रैंकिंग के 31वें स्थान से अपनी स्थिति में सुधार करते हुए मुख्यभूमि भारत के बिहार, केरल, ओडिशा और केन्द्रशासित प्रदेश जैसे दादरा और नगर हवेली, पुदुचेरी, चंडीगढ़ आदि 14 राज्यों को पार करते हुए 22वें स्थान पर काबिज हो गया है।

बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान के कार्यान्वयन के आधार पर राज्यों की रैंकिंग वर्ष 2015 में शुरू हुई। बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान 2018–19 में 12 व्यापार नियामक क्षेत्रों को शामिल करते हुए 180 सुधार बिंदु शामिल हैं। प्रत्येक राज्य में निवेश को आकर्षित करने और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाने का बड़ा उद्देश्य बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान के कार्यान्वयन में उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग राज्यों की एक प्रणाली के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का एक तत्व पेश करके हासिल करने की मांग की गई थी। इस बार की रैंकिंग जमीनी स्तर पर तीस हजार से अधिक उत्तरदाताओं की प्रतिक्रिया पर पूरा जोर दिया गया, जिन्होंने सुधारों की प्रभावशीलता के बारे में अपनी राय दी।

अंडमान निकोबार प्रशासन व्यापार की आवश्यकताओं को आसान बनाने और इन द्वीपों में निवेश परि.श्य को बेहतर बनाने के लिए बुनियादी ढांचे की क्षमताओं में सुधार पर काम कर रहा है। इस पंक्ति में हाल ही में चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर तक के अंडर सी सबमरीन केबल बिछाये जाने से इन द्वीपों की डिजिटल क्षमताओं में सुधार किया है, जिससे इन द्वीपों में कारोबार करने में आसानी हुई है। परियोजना ने इन द्वीपों को संभावित गंतव्य में से एक बना दिया है, जहां आईटी और आईटीईएस कंपनियां निवेश करना पसंद कर सकती हैं।

उपभोक्ता शिकायत निवारण न्यायालय द्वारा गूगल मीट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग अथवा टेलीफोन से सुनवाई

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितंबर।

वैश्विक महामारी (कोविड–19) से उत्पन्न स्थिति को ध्यान में रखते हुए अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के उपभोक्ता शिकायत निवारण न्यायालय (राज्य आयोग) के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति देबी प्रोसाद डे ने कहा है कि न्याय प्रदान करने के लिये गूगल मीट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग अथवा टेलीफोन से मामलों की सुनवाई हो सकती है। भारत की मुकदमे लड़ने वालों को न्याय प्रदान करने के लिए निर्धारित समय के भीतर और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अनुसार भारत सरकार के दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए मामलों की सुनवाई की जा सकती है।

आयोग की बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग का कार्यक्रम 'वर्चुअल कोर्ट' 7 सितंबर, 2020 से हर महीने पोर्ट ब्लेयर में राज्य आयोग के भवन, नागरिक आपूर्ति निदेशालय परिसर, पोर्ट ब्लेयर में प्रभावी होगा। उन सभी मुकदमा लड़ने वालों, जिनके मामले अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के राज्य आयोग के समक्ष लंबित हैं, को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए सूचित किया गया है या गूगल मीट कॉन्फ्रेंस का उपयोग करके अपने मामले पर बहस करने के लिए व्यवस्था की जाएगी। वाद सूची को वेबसाइट यानी www.confonet.nic.in के माध्यम से देखा जा सकता है। इस संबंध में किसी भी स्पष्टीकरण के लिए न्यायालय अधिकारी, राज्य आयोग के मोबाइल नं .434287623 पर संपर्क किया जा सकता है। रजिस्ट्रार (राज्य आयोग) की प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है।

सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करने के लिए बुनियादी ढाँचे की सुविधा का विस्तार

बम्बूलाट में नयी मिनी बस टर्मिनस और पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितंबर।

अंडमान निकोबार प्रशासन के परिवहन विभाग हमेशा नागरिकों की आवश्यकता के प्रति संवेदनशील है और द्वीपसमूह में सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता में सुधार के लिए बुनियादी सुविधाओं को विकसित करके उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास कर रहा है। यह देखा गया है कि बम्बूफ्लाट जेट्टी क्षेत्र के आसपास के क्षेत्र में जनता की भारी भीड़ और आवाजाही देखी जाती है। यात्रियों की जरूरत को देखते हुए परिवहन विभाग ने यूटी प्लान फंड के तहत एक नयी मिनी बस टर्मिनस और पार्किंग स्थल विकसित करना शुरू कर दिया है। तदनुसार क्षेत्र के प्रधान की सहमति से विभाग को 8000 वर्गमीटर भूमि प्रदान की गई है और मिनी बस टर्मिनस और वाहनों की पार्किंग के लिए पार्किंग सुविधा दोनों एक ही जगह पर उपलब्ध होगी।

नयी मिनी बस टर्मिनस में एक बार में 6 बसों को समायोजित करने के लिए 6 प्रस्थान बेज की सुविधा होगी। इसके अलावा मिनी बस टर्मिनस के लिए सभी बुनियादी आवश्यकताएं होंगी, जिनमें बेहतर यात्री सुविधाएं, विशाल प्रतीक्षा हॉल, जलपान स्टॉल, वॉश रूम, टिकटिंग काउंटर, बसों के लिए वर्कशॉप और वाशिंग सुविधाएं आदि भी उपलब्ध होंगी।

मिनी बस टर्मिनस के अलावा बस टर्मिनस से सटे उसी भूमि में एक पार्किंग स्थल भी विकसित किया जाएगा, जिसका उपयोग आम जनता कर सकती है और यह एक भुगतान पार्किंग सुविधा होगी। मिनी बस टर्मिनस और पार्किंग स्पेस के निर्माण के लिए मिट्टी काटने का काम अंडमान लोक निर्माण विभाग द्वारा पहले ही शुरू कर दिया गया है और परियोजना 18 महीने में पूरी हो जायेगी।

इस परियोजना के पूरा होने पर फरारगंज तहसील में रहने वाले लोगों और क्षेत्र का दौरा करने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में विशेष रूप से सुधार होगा, खासतौर पर बम्बूफ्लाट जेट्टी क्षेत्र में आने वाले यात्रियों को अपने वाहनों को पार्क करने के लिए पार्किंग की जगह की तलाश नहीं करने पड़ेगी। बस टर्मिनस और पार्किंग स्थल के एक बार विकसित होने के बाद बम्बूफ्लाट जेट्टी और इसके आस–पास के इलाकों की सड़क में भीड़ को कम करने में न केवल आसानी होगी, बल्कि साथ ही साथ क्षेत्र के माहौल को भी बढ़ेगा। परिवहन निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है।

सचिव ने डॉलीगंज के पशुधन फार्म परिसर में पशुपालन प्रक्षेत्र गतिविधियों का जायजा लिया

कृषि गतिविधियों के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाओं पर ध्यान देने की सलाह

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितंबर।

अंडमान निकोबार प्रशासन की पशुपालन सचिव श्रीमती वेदिता रेड्डी ने कल पशुधन फार्म परिसर, डॉलीगंज में पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभागीय फार्म का दौरा किया और वहां चल रही पशुधन और कुक्कुट पालन गतिविधियों का जायजा लिया। किसानों को लाभ देने के लिए गतिविधियों के विस्तार के लिए सचिव को उपलब्ध संसाधनों से अवगत कराया गया।

बाजार की व्यापक संभावनाओं के मद्देनजर पशुपालन गतिविधियाँ किसानों के बीच एक स्थायी उद्यम हो सकती हैं और पशुपालन गतिविधियों के माध्यम से रोजगार के अवसरों का पता लगाना समय की आवश्यकता है। सचिव ने अपने दौरे के दौरान द्वीपों में मवेशियों, बकरियों और बत्तखों की विशाल मांग को पूरा करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की और मुख्यभूमि से अधिक मवेशियों को लाकर कृषि गतिविधियों का विस्तार करने और किसानों को कृषि आदानों की आपूर्ति में वर्तमान सीमाओं से निजात पाने के लिये प्रगतिशील तरीके से काम करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। किसानों को पर्याप्त कृषि आदानों का वितरण करके, द्वीपों को दूध और मांस के मामले में आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

चूँकि पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता डेयरी फार्मिंग के लिए बाधा है, इसलिये सचिव ने किसानों को द्वीपों में चारे के संकट को कम करने के लिए अज़ोला की खेती, हाइड्रोपोनिक चारे जैसे अपरंपरागत चारे के उत्पादन के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की इच्छा जताई। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि किसानों के खेतों में इस लक्ष्य को हासिल किया जाये। पशुपालन एवं पशुचिकित्सा सेवा विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है।

सांसद ने सीबीएसई कक्षा 10वीं–12वीं परीक्षा में शत्–प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने के लिए सात स्कूलों को सम्मानित किया

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितंबर

5 सितंबर, 2020 को शिक्षक दिवस के अवसर पर अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के सांसद श्री कुलदीप राय शर्मा ने पोर्ट ब्लेयर तहसील, दक्षिण अंडमान जिले के सात स्कूलों को स्मृति चिन्ह भेंट कर शत्–प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रशंसा स्वरूप सम्मानित किया है। सीबीएसई द्वारा 2020 के दौरान आयोजित बोर्ड परीक्षा में दसवीं और बारहवीं और छात्रों की बेहतरी के लिए शिक्षकों द्वारा दी गई परोपकारी सेवाओं के लिए शिक्षक दिवस के अवसर पर सांसद द्वारा शत्–प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यालयों में केन्द्रीय विद्यालय नंबर–1, पोर्ट ब्लेयर, राजकीय बालक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पोर्ट ब्लेयर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (हिन्दी माध्यम), हैडो, पोर्ट ब्लेयर, विवेकानंद केन्द्र विद्यालय, पोर्ट ब्लेयर, उम्मत पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पोर्ट ब्लेयर, कार्मल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पोर्ट ब्लेयर तथा सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पत्थरगढ्डा, पोर्ट ब्लेयर शामिल हैं।

सांसद ने उपरोक्त 7 स्कूलों को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए, सभी 45 स्कूलों के प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्रों के प्रति अपनी .तज्ञता और प्रशंसा व्यक्त की है, जिन्होंने दसवीं और 12वीं कक्षा में 23 स्कूलों में शत्–प्रतिशत परिणाम प्राप्त किये हैं, सांसद कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है।

अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

प्री–मैट्रिक, पोस्ट–मैट्रिक और मेरिट–कम–मीन्स छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितंबर।

भारत सरकार अधिसूचित छह अल्पसंख्यक समुदायों (जैन, बौद्ध, सिख, पारसी, मुस्लिम और ईसाई) से सम्बद्ध विद्यार्थियों को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा तीन छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत लाभ उठाने के लिए एक अवसर प्रदान करता है। इनमें वर्ष 2020–21 के लिए प्री–मैट्रिक, पोस्ट–मैट्रिक और मेरिट–कम–मीन्स आधारित छात्रवृत्ति शामिल हैं। अंडमान निकोबार प्रशासन के समाज कल्याण विभाग ने इस केन्द्रशासित प्रदेश के अल्पसंख्यक विद्यार्थियों से प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति, पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति और मेरिट–कम–मीन्स–छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के लिये आवेदन आमंत्रित किया है।

छात्रों द्वारा नए सिरे से छात्रवृत्ति (पहली बार आवेदक) और नवीकरण छात्रवृत्ति (2019–20 के दौरान छात्रवृत्ति पाने वाले आवेदक) के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर, 2020 है।

छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के लिए पात्रता मानदंड आवेदक को अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों (जैन, बौद्ध, सिख, पारसी, मुस्लिम और ईसाई) का छात्र होना चाहिए, भारत में सरकारी या मान्यता प्राप्त निजी विश्वविद्यालय एवं संस्थान/कॉलेज/स्कूल में अध्ययन किया हो। अंतिम वार्षिक बोर्ड व कक्षा परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक अर्जित कर कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिये पाठ्यक्रम पूरा किया जाना चाहिये।

उपरोक्त योजनाओं के तहत केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। आवेदकों को सलाह दी गयी हैं कि वे छात्रवृत्ति योजनाओं में से किसी एक के लिये राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल की वेबसाइट www.scholarships.gov.in (साइट का लिंक www.minorityaffairs.gov.in) या मोबाइल एप के जरिये ऑनलाइन आवेदन करें। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति (एनएसपी) ऑनलाइन आवेदन भरने के लिए विस्तृत निर्देश और 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' (एफएक्यू) राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के मुखपृष्ठ पर उपलब्ध हैं। आवेदकों को केवल उस बैंक खाते का विवरण देने की सलाह दी गई है जो बैंक के निर्देशों के अनुसार सक्रिय मोड या अनुपालन में रहता है ताकि छात्रवृत्ति का भुगतान विफल न हो।

सभी विश्वविद्यालयों/संस्थानों/कॉलेजों/स्कूलों, जहां एक अल्पसंख्यक छात्र अध्ययन कर रहा है, को जल्द से जल्द राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर खुद को पंजी.त (यदि पहले किया हों) करना चाहिए। समाज कल्याण निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी गयी है।

राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान ऑनलाइन निबंध, मेमे बनाने की प्रतियोगिताएं तथा ई–क्विज़

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितम्बर।

द्वीप प्रशासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा सम्बद्ध विभागों के सहयोग से सितम्बर, 2020 माह के दौरान पोषण अभियान के तहत 'राष्ट्रीय पोषण माह' मनाया जा रहा है। समारोह के एक भाग के रूप में समाज कल्याण विभाग द्वारा शिक्षा विभाग के सहयोग से MyGov पोर्टल के माध्यम से स्कूल जा रहे बच्चों के लिये खाद्य एवं पाषण पर ऑनलाइन प्रतियोगितायें आयोजित की जायेंगी।

समाज कल्याण विभाग से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय खाद्य एवं पोषण के सभी तथ्यों पर आधारित खाद्य एवं पोषण प्रश्नोत्तरी आयोजित की जायेगी। प्रश्नोत्तरी का उद्देश्य 'लर्निंग विथ फन' है। प्रश्नोत्तरी स्थानिक एवं परम्परागत भोजन, जलवायु परिस्थिति से वास्ता, खाद्य एवं पोषण उत्सव, भारत के विभिन्न भागों के समान व्यंजनों के नाम, भारत के खाद्य एवं पोषण की विविधता में मसालों के उत्पादन एवं इनका उपयोग पर आधारित होंगी। यह प्रतियोगिता 7 सितम्बर, 2020 से डलळवअ पोर्टल पर शुरू होंगी और 30 सितम्बर, 2020 तक जारी रहेंगे। लिंक (mygov.in/campaigns) से प्रतियोगिता को एक्सेस

शेष पृष्ठ 4 पर

'एनकॉल' के स्नातक पाठ्यक्रमों की सत्रावधि परीक्षा 14 सितम्बर से

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितंबर।

अंडमान कॉलेज 'एनकॉल' के विभिन्न स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों की पांडिचेरी विश्वविद्यालय की सत्रावधि परीक्षा 14 से 25 सितम्बर तक आयोजित की जाएगी। उम्मीदवारों को पांडिचेरी विश्वविद्यालय के परीक्षा पोर्टल http://exam.pondiuni.edu.in/oasis/TimeTable/UGPG/UGARTSANDSCITT2020.htm. के माध्यम से जाने की सलाह दी गई है। विभिन्न यूजी पाठ्यक्रमों के सभी अंतिम वर्ष के छात्रों को अपने संबंधित एचओडी से 10 सितम्बर से हॉल टिकट लेने के लिए किया गया है। परीक्षा से पहले, दौरान और बाद में विद्यार्थियों द्वारा भारत सरकार तथा अंडमान निकोबार प्रशासन की ओर से निर्दिष्ट कोविड–19 और इनके प्रावधानों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गयी है। 'एनकॉल' से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी दी गयी है।

कोरोना वायरस के संबंध में अफवाहों पर ध्यान न दें : राज्य हेल्पलाइन नम्बर 03192–232102 को डायल कर अपनी शंकाओं को दूर करें।

कोविड–19 पर स्वास्थ्य बुलेटिन

पुष्टि मामले 3332, 2951 स्वस्थ हुए, 50 की मृत्यु, 331 मामले सक्रिय

पोर्ट ब्लेयर, 6 सितम्बर।

अंडमान निकोबार प्रशासन द्वारा जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार कोविड–19 मामलों की स्थिति 6 सितम्बर, 2020 तक अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में कुल 3332 पुष्टि मामले हैं, जिनमें से 2951 स्वस्थ हो गये हैं और उन्हें अस्पताल से छोड़ दिया गया हैं और 50 मृत्यु हुई है। कुल 331 सक्रिय मामले हैं।

मामलों के नैदानिक प्रबंधन के तहत उत्तर व मध्य अंडमान जिले में 123 आइसोलेशन बिस्तर उपलब्ध हैं, जिनमें 19 पर कब्जा हो गया है और 19 पॉजीटीव मामलों को भर्ती किया गया हैं।

दक्षिण अंडमान जिले में 890 आइसोलेशन बिस्तर उपलब्ध हैं, जिनमें 228 पर कब्जा हो गया है और 228 पॉजीटीव मामलों को भर्ती किया गया हैं।

निकोबार जिले में 26 आइसोलेशन बिस्तर उपलब्ध हैं, जिनमें 09 पर कब्जा हो गया है और 09 पॉजीटीव मामलों को भर्ती किया गया हैं।

होम आइसोलेशन में 00 आइसोलेशन बिस्तर उपलब्ध हैं, जिनमें 75 पर कब्जा हो गया है और 75 पॉजीटीव मामलों को भर्ती किया गया हैं।

निकोबार जिले में 09 मामले शामिल हैं।

अब तक कुल 39205 नमूने लिये गये। कुल 39085 रिपोर्ट प्राप्त हुए और 120 रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है। प्रति मिलियन जांच दर 97713 रही।

कोविड–19 से लड़ाई के लिये प्रशासन द्वारा सप्ताह में 24 घंटे कंट्रोल रूम का संचालन किया जा रहा है, जिनके नम्बर–240126, 232102, 1077, 1070 हैं।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद से जिला प्रशासन द्वारा कन्टेनमेंट क्षेत्रों (गाराचरामा, भातूबस्ती, डेयरी फार्म, जंगलीघाट, फीनिक्स बे, हैडो तथा शादीपुर) सहित समूचे दक्षिण अंडमान में घर–घर जाकर निगरानी रखी जा रही है। आज इन क्षेत्रों में 66853 आबादी का सर्वेक्षण किया गया।

प्रिंट तथा इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से गहन जागरूकता अभियान जारी है।

चिकित्सा दलों द्वारा 25 मई, 2020 से वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 21540 तथा हैडो जेटी में 871 आगंतुक यात्रियों की जांच की गई।

25 मई, 2020 से चिकित्सा दलों द्वारा वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 27505 बाहरी यात्रियों तथा हैडो बंदरगाह पर 928 का परीक्षण किया गया।

30 मई, 2020 से वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा बंदरगाह से आज संवेदनशील यात्रियों (60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों, रूग्ण व्यक्तियों, 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, अपने अटेंडेंट के साथ इलाज के बाद मुख्यभूमि से आने वाले व्यक्तियों तथा द्वीपों के जनजातीय क्षेत्रों में जाने वाले व्यक्तियों) के 11362 नमूने लिये गये।

स्वास्थ्य विभाग की हेल्पलाइन 102 पर 15021 कॉल्स प्राप्त हुए।

जी.बी पंत अस्पताल में टैबलट एजीथ्रोमाइसिन 23950 अदद और टैबलट एचसीक्यू 84240 अदद स्टॉक उपलब्ध हैं।

अब तक 14 दिनों के लिये स्वयं निगरानी में 1824 अलाक्षणिक यात्री (विमान) हैं, 14 दिनों की स्वयं निगरानी को 19571 अलाक्षणिक यात्रियों (विमान) ने पूरा किया, सरकारी सुविधाओं में अब तक आइसोलेशन में 00 अलाक्षणिक यात्रियों (जहाज) को रखा गया हैं, अब तक होम क्वारन्टीन में 24 अलाक्षणिक यात्रियों (जहाज) रखा गया है, यात्रा अवधि तथा आइसोलेशन अवधि को मिलाकर 1704 अलाक्षणिक यात्रियों (जहाज) ने 14 दिन पूरा किया है, अब तक 94 लक्षण वाले व्यक्तियों को स्वास्थ्य सुविधा में अलग रखा गया है, अब तक होम आइसोलेशन के तहत 00 लक्षण वाले व्यक्तियों को रखा गया। 7 दिनों के होम आइसोलेशन को 11 लाक्षणिक व्यक्तियों ने पूरा किया। अब तक होम क्वारन्टीन में सम्पर्क में आये 4660 व्यक्तियों को रखा गया है। होम क्वारन्टीन की 14 दिनों की अवधि को 3760 सम्पर्क में आये व्यक्तियों ने पूरा किया है। सरकारी सुविधाओं में आइसोलेशन के तहत 00 सम्पर्क में आये व्यक्ति (लाक्षणिक) को रखा गया है। अब तक सरकारी सुविधाओं में क्वारन्टीन किये गये बाहरी क्षेत्रों के 08 यात्रियों (विमान) को रखा गया हैं। अब तक परीक्षण नेगेटीव होने के बाद क्वारन्टीन से बाहरी क्षेत्रों के 336 यात्रियों (विमान) को छोड़ा गया।

सप्ताह में चौबीस घंटे कार्यरत नियंत्रण कक्ष के नम्बर :

240126 / 232102 / 1077 / 1070

देश को आत्मनिर्भर बनाने के क्रम में, भारत सरकार ने अगरबत्ती बनाने के लिए कारीगरों को दिए जाने वाले समर्थन का विस्तार किया

नई दिल्ली, 6 सितम्बर।

समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए और हितधारकों की रुचि को देखते हुए, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) ने अगरबत्ती बनाने में शामिल कारीगरों और अगरबत्ती उद्योग के लिए पहुंच और समर्थन का विस्तार किया है। इसके लिए मंत्रालय ने 4 सितंबर, 2020 को नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस उद्योग के लिए 30 जुलाई 2020 को समर्थन कार्यक्रम शुरू करने के बाद मंत्रालय ने सिर्फ अगरबत्ती बनाने के लिए मशीनों की आपूर्ति करने पर ही नहीं, बल्कि उद्योग के सभी पहलुओं पर ध्यान दिया है। इनमें इनपुट और कच्चे माल की आपूर्ति और मांग को सुनिश्चित करना शामिल है। अगरबत्ती की मांग पिछले एक साल में बहुत बढ़ गई है। नए कार्यक्रम के चार प्रमुख स्तंभ हैं –

प) प्रशिक्षण, कच्चे माल, विपणन और वित्तीय सहायता के माध्यम से कारीगरों को लगातार समर्थन देनाय

पप) इस उत्पाद के सभी पहलुओं पर काम करना, जैसे सुगंध और पैकेजिंग में नवाचार, नए ध् वैकल्पिक कच्चे माल का उपयोग, जैसे फूल का फिर से उपयोग, कॉयर पिथ आदि, कृषि मंत्रालय के साथ मिलकर बांस की आपूर्ति आदि। इस उद्देश्य के लिए एफएफडीसी (फूल और सुगंध विकास केंद्र) कन्नौज में श्उत्.ष्टता केंद्रश स्थापित किया जा रहा है।

पपप) एमएसएमई मंत्रालय की एसएफयूआरटीआई (पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए योजना) के तहत उचित विपणन व्यवस्था के साथ कुल 50 करोड़ रुपये की लागत से 10 क्लस्टर स्थापित करना। इससे 5000 कारीगरों को स्थायी रोजगार और बेहतर आय मिलने की उम्मीद है।

पअ) आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए देश में मशीन निर्माण क्षमता को मजबूत करना और 2.20 करोड़ रुपये की लागत से आईआईटी / एनआईटी के साथ मिलकर 'उत्कृष्टता केंद्र' स्थापित करना तथा विभिन्न उत्पादों का विकास करना।

4 सितंबर को घोषित कार्यक्रम के तहत, देश भर में 20 पायलट परियोजनाओं के माध्यम से 400 स्वचालित अगरबत्ती बनाने की मशीनें और अतिरिक्त 500 पेडल संचालित मशीनें 'स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)' और व्यक्तियों को वितरित की जाएंगी और उनके लिए कच्चे माल की आपूर्ति और उचित विपणन सुविधा भी सुनिश्चित की जायेगी। इस कार्यक्रम से लगभग 1500 कारीगरों को तत्काल लाभ होगा, उन्हें स्थायी रोजगार मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के तहत हाथ से अगरबत्ती बनाने वाले कारीगरों और प्रवासी श्रमिकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

देश को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए, कार्यक्रम के कुल आकार को बढ़ाकर 55 करोड़ रुपये से अधिक का कर दिया गया है। लगभग 1500 कारीगरों को कुल 3.45 करोड़ रुपये का तत्काल समर्थन दिया जायेगा, 2.20 करोड़ रुपये की लागत से दो उत्कृष्टता केंद्र आईआईटी / एनआईटी व एफएफडीसी, कन्नौज में स्थापित किये जायेंगे और लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से 10 नए एसपीयूआरटीआई क्लस्टर का निर्माण किया जायेगा, जिससे लगभग 5000 कारीगरों को लाभ मिलेगा। पहले कार्यक्रम का आकार 2.66 करोड़ रुपये का था, जिससे लगभग 500 कारीगरों को लाभ मिलने की उम्मीद थी।

एमएसएमई मंत्रालय के तहत वैधानिक संगठन, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) कार्यक्रम को कार्यान्वित करेगा और उचित लिंकेज और आवश्यक समर्थन के साथ कारीगरों और एसएचजी को सहायता प्रदान करेगा।

ये परियोजनाएँ, अगरबत्ती उद्योग को बढ़ावा देंगी और अगरबत्ती निर्माण के सभी क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमता के निर्माण में मदद करेंगी। इससे निर्यात में वृद्धि होगी और कारीगरों तथा उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

जी–20 देशों के शिक्षा मंत्रियों ने सर्वोत्तम शिक्षा प्रणाली के लिए मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त किया

नई दिल्ली, 6 सितम्बर।

जी–20 देशों के शिक्षा मंत्रियों ने सर्वोत्तम शिक्षा प्रणाली के लिए मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त किया है ताकि कोरोना काल में भी सबके लिए स्तरीय शिक्षा समान रूप से उपलब्ध हो सके। जी–20 देशों के कल शिक्षामंत्रियों की ऑनलाइन बैठक में सदस्य देशों ने तीन चिह्नित क्षेत्रों में अपने अनुभवों पर चर्चा की। ये क्षेत्र हैं– संकट के समय शैक्षिक निरंतरता, बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण।

शिक्षामंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बैठक में कहा कि भारत में शिक्षा प्रणाली में सुधार के प्रयास जारी रहेंगे और कोरोना संकट से उत्पन्न चुनौती को कम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत शिक्षा के क्षेत्र में जी–20 के सदस्य देशों के साथ सहयोग के प्रति संकल्पित है।

बैठक के बाद शिक्षामंत्रियों ने एक संकल्प–पत्र जारी किया। इसमें दूरस्थ और मिश्रित शिक्षा तथा शिक्षकों, डिजिटल ढांचे और पाठ्य सामग्री के पेशेवर विकास पर जोर दिया गया है। संकल्प–पत्र में, शैक्षिक परिणामों के आकलन के लिए अनुसंधान और डेटा के महत्व को भी स्वीकार किया गया है।

पर्यावरण मंत्री कल पहले अंतरराष्ट्रीय क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काई यानी नीले आकाश के लिए स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर एक वेबीनार की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली, 6 सितम्बर।

पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर कल पहले अंतरराष्ट्रीय क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काई यानी नीले आकाश के लिए स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर एक वेबीनार की अध्यक्षता करेंगे। वेबीनार के दौरान राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों में प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी। वेबीनार में 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेशों के शहरी विकास और पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत चुने गए एक सौ बाईस शहरों के आयुक्त भी इसमें भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले से अपने संदेश में देश के एक सौ शहरों में वायु की गुणवत्ता में समग्र सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया था।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पिछले साल 19 दिसंबर को एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें हर साल 7 सितंबर को नीले आकाश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस मनाने को कहा गया था।

स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने आज पांच राज्यों और एक केन्द्रशासित प्रदेश के स्वास्थ्य सचिवों के साथ कोरोना की रोकथाम की समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली, 6 सितम्बर।

स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने आज पांच राज्यों और एक केन्द्रशासित प्रदेश के स्वास्थ्य सचिवों के साथ 35 जिलों में कोरोना की रोकथाम और प्रबंधन के संबंध में समीक्षा बैठक की। इन जिलों में पश्चिम बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, उत्तरी चौबीस परगना और चौबीस दक्षिणी परगना जिले, महाराष्ट्र के पुणे, नागपुर, ठाणे, मुंबई और मुंबई उपनगर, कोल्हापुर, सांगली, नाशिक, अहमदनगर, रायगढ़, जलगांव, शोलापुर, सतारा, पालघर, औरंगाबाद, धुले और नांदेड जिले, गुजरात का सूरत जिला, पुद्दुचेरी जिला, झारखंड का पूर्वी सिंहभूम जिला और दिल्ली के सभी ग्यारह जिले शामिल हैं।

श्री भूषण ने बैठक में कहा कि कोरोना की संक्रमण श्रृंखला को तोड़ने के लिए अन्य बीमारियों से पहले से ही ग्रस्त लोगों और बुजुर्गों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने स्वास्थ्य सचिवों को सलाह दी कि वे संक्रमित क्षेत्रों में रोकथाम के उपाय तेज करें और जांच बढ़ाएं ताकि पॉजिटिव मामलों की दर पांच प्रतिशत से कम रखी जा सके। श्री भूषण ने स्वास्थ्य सचिवों के साथ अगले एक महीने की कार्ययोजना पर भी चर्चा की।

राज्यों को सलाह दी गई कि वे संक्रमण रोकथाम के उपायों और परस्पर दूरी बनाए रखने संबंधी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन कराए। घरों में पृथकवास में रह रहे रोगियों पर नजर बनाए रखने और आवश्यक होने पर उन्हें अस्पताल में जल्द ही भर्ती कराने की भी सलाह दी गई है।

अंतरिक्ष राज्य मंत्री ने कहा– चंद्रयान–3 का प्रक्षेपण अब 2021 के शुरू में हो सकता है

नई दिल्ली, 6 सितम्बर।

अंतरिक्ष राज्य–मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने कहा है कि चंद्रयान–3 का प्रक्षेपण अब 2021 के शुरू में हो सकता है। चंद्रयान–3 के तहत चंद्रयान–2 अभियान को ही दोहराया जाएगा और इसमें एक लैंडर तथा रोवर प्रणाली को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। लेकिन इसमें आर्बिटर नहीं होगा। डॉक्टर सिंह ने यह भी बताया कि भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान गगनयान के लिए भी तैयारियां जारी हैं। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी की वजह से गगनयान अभियान में थोड़ा–सा व्यवधान पैदा हुआ है, लेकिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2022 में इसके प्रक्षेपण के प्रयास जारी हैं।

कोविड से स्वस्थ होने की दर 77 प्रतिशत से अधिक हुई

नई दिल्ली, 6 सितम्बर।

देश में पिछले 24 घंटों में कोविड–19 से 73 हजार 640 मरीज स्वस्थ हुए हैं। एक दिन में ठीक होने वालों की यह अब तक की सबसे अधिक संख्या है। स्वस्थ होने वालों की संख्या अब लगभग 32 लाख हो गई है। ठीक होने का प्रतिशत 77 दशमलव तीन–दो हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि कुल संक्रमित मामलों में से सक्रिय मामलों की संख्या 20 दशमलव नौ–छह रह गई है। ठीक हुए लोगों की संख्या सक्रिय मामलों से लगभग तीन दशमलव सात गुना अधिक है। मंत्रालय ने कहा है कि पिछले दो महीनों में स्वस्थ होने वाले कोविड मरीजों की संख्या चार गुनी हो गई है।

टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट की नीति से स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ी है और मृत्यु दर कम हुई है। इस समय देश में कोविड से होने वाली मृत्यु दर एक दशमलव सात–दो प्रतिशत है।

पिछले 24 घंटे में 90 हजार 633 नये मामले सामने आने से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 41 लाख 13 हजार 812 हो गई हैं। पिछले 24 घंटे में कुल संक्रमित मरीजों में से 50 प्रतिशत से अधिक महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के हैं।

इस समय देश में 8 लाख 62 हजार 320 व्यक्ति कोरोना संक्रमित हैं। पिछले 24 घंटों में एक हजार 65 मौतें होने से इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 70 हजार 626 हो गई हैं।

राष्ट्रीय पोषण माह

——————————पृष्ठ 1 का शेष

किया जा सकता है। MyGov प्लेटफॉम के माध्यम से निदेशक एनसीईआरटी के स्वतः ही सभी उत्तर सही देने वाले प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाणपत्र प्राप्त होगा।

खाद्य एवं पोषण पर मेमे बनाने की प्रतियोगिता भी आयोजित की जायेगी। मेमे छवि आधारित होनी चाहिये, जिसमें मजेदार एवं हास्यास्पद तरीके से अवधारणा अथवा संकल्पना को दर्शाया जाना होगा। प्रतिभागी लिंक (mygov.in/campaigns) पर अपने मेमे लिंक को अपलोड कर सकते हैं, जिसमें कई उप विषय शामिल हैं जैसे वेजीस ऑन माई टेबल, रेसिपी फॉर ग्रोथ, मे पोषण बी विद यू, हमारेजिगरी दोस्त–विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, द फूड ऑफ माई स्टेट तथा खाद्य एवं पोषण से संबंधित अन्य कोई विषय होंगे। एससीईआरटी द्वारा राज्य अथवा केन्द्रशासित स्तर पर सर्वश्रेष्ठ मेमे का सबसे पहले चयन किया जायेगा। अंतिम विजेता का निर्णय लेने के लिये एनसीईआरटी को केन्द्रशासित प्रदेश से शीर्ष पांच सर्वश्रेष्ठ मेमे को भेजा जायेगा। भारत सरकार के विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा एनसीईआरटी द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को प्रमाणपत्र जारी किये जायेंगे।

नाम, पढ़ रही कक्षा, आयु, विद्यालय का नाम, विद्यालय का पता, राज्य अथवा केन्द्रशासित प्रदेश, स्वयं के अथवा माता–पिता अथवा अभिभावक के मोबाइल नम्बर इत्यादि पंजीकरण प्रक्रिया के लिये MyGov पोर्टल पर प्रतिभागियों से मांगी जाने वाली अनिवार्य सूचना हैं।

साथ ही शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रथम वर्ग के तहत छठवीं से नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिये 'हमारे स्वास्थ्य के लिये स्वास्थ्यकर और स्वच्छता का महत्व' विषय पर तथा द्वितीय वर्ग के तहत दसवीं से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिये 'स्वास्थ्य के लिये आहार विविधता का महत्व' विषय पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। शिक्षा विभाग द्वारा चुनी जाने वाली सर्वश्रेष्ठ तीन प्रविष्टियों को 30 सितम्बर, 2020 को पोषण माह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा।

मौसम

अधि ताप – 32.1	सवेरे 8.30 बजे तक वर्षा
न्यून ताप – 24.5	(24 घंटों में)– 016.5 मि.मी.
आर्द्रता –	शाम 5.30 बजे तक वर्षा
प्रातः 8.30 बजे 078	(सवेरे 8.30 बजे से)
सायं 5.30 बजे 086	000.0 मि.मी.
सूर्योदय – प्रातः 0509 बजे	01.01.19 से 06.09.20 तक
सूर्यास्त – सायं 1725 बजे	कुल वर्षा 1627.9 मि.मी.
(07.09.20)	

पोर्ट ब्लेयर में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

कल का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस (मौसम विभाग से साभार)

फोन न. पर सम्पर्क करें

पुलिस नियंत्रण कक्ष ☏ 100
अग्निशमन सेवा ☏ 101
एम्बूलेंस ☏ 102, 232102, 233473
नौवहन सेवाओं के लिए ☏ 245555
डाक सेवाओं के लिए हेल्पलाइन ☏ 232346, 232890
महिलाओं के लिए हेल्पलाइन ☏ 1091
बच्चों के लिए हेल्पलाइन ☏ 1098
तटरक्षा ☏ 1554
आपदा प्रबन्धन और चुनाव कक्ष ☏ 1077, 238881

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी' सोणी, फोन–229400
E-Mail:dweepsamachar@gmail.com